बिजली चोरी पकड़ने गई बीआरपीएल–पुलिस टीम पर हमला, दो घायल

15 पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बावजूद भीड़ ने किया हमला, पत्थर भी फेंके

नई दिल्लीः 8 मार्च, 2013। नजफगढ़ के पोचनपुर इलाके में बिजली चोरी पकड़ने गई बीआरपीएल और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम पर कल शाम लोगों ने हमला कर दिया। हमले में बीआरपीएल का एक वरिष्ठ अधिकारी, और दिल्ली पुलिस का एक जवान घायल हो गए। बीआरपीएल एन्फोर्समेंट टीम के साथ इलाके के अडिशनल एसएचओ के नेतृत्व में पुलिस के 15 जवान मौजूद थे। 15 पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बावजूद स्थानीय लोगों ने बीआरपीएल एन्फोर्समेंट टीम और पुलिस पर हमला किया और उन्हें बिजली चोरी पकड़ने का काम नहीं करने दिया। अचानक हुए हमले और पत्थरबाजी से सन्न बीआरपीएल टीम के अधिकारियों को जान बचाने के लिए मौके से भागना पड़ा।

बिजली चोरी के खिलाफ बीआरपीएल ने कल बड़े पैमाने पर छापेमारी की योजना बनाई थी। इस सिससिले में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से अच्छी तादात में पुलिस के जवान उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए, द्वारका सेक्टर–23 पुलिस स्टेशन से पुलिस के 15 जवान, बीआरपीएल एन्फोर्समेंट टीम के साथ लगाए गए। इस पुलिस स्टेशन के अडिशनल एसएचओ भी इस अभियान में बीआरपीएल टीम के साथ थे। 5 महिला पुलिसकर्मियों को भी अभियान में शामिल किया गया था।

पोचनपुर इलाके में बीआरपीएल और पुलिस की संयुक्त छापेमारी के दौरान बिजली चोरी के पांच मामले पकड़े गए। दो मामले ऐसे थे, जिनमें बीआरपीएल की तारों पर कटिया लगाकर बिजली चोरी की जा रही थी और, तीन मामलों में मीटर से छेड़छाड़ कर बिजली की चोरी की जा रही थी। इसमें श्री संजय, पुत्र श्री देवेंदर का घर भी शामिल है, जो सुश्री कमलेश नामकी एक महिला इस्तेमाल करती है। लोगों ने बताया कि सुश्री कमलेश किरायेदार के तौर पर यहां रह रही हैं।

जब बीआरपीएल टीम ने श्री संजय के यहां छापा मारा, तो वहां का बिजली मीटर टैंपर्ड मिला। मीटर से छेड़छाड़ की गई थी। जैसे ही श्री संजय को छापेमारी के बारे में पता चला, उन्होंने 15–20 लोगों को वहां इकट्ठा कर लिया और बीआरपीएल टीम के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बावजूद जब अधिकारियों ने छापेमारी की कार्रवाई नहीं रोकी, तो उन पर पत्थर फेंके गए। बीआरपीएल इस मामले में द्वारका सेक्टर 23 पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज करा रही है।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक– नजफगढ़ के पोचनपुर इलाके में एटीएंडसी लॉस करीब 70 प्रतिशत है। बीआरपीएल यहां बिजली चोरी को नियंत्रित करने की लगातार कोशिश कर रही है, लेकिन तमाम कोशिशों के बादजूद इसमें अपेक्षित सफलता नहीं मिल पा रही है। हाल ही में, एक नया अभियान शुरू किया गया है, जिसमें तहत कटे हुए केबलों को बदला जा रहा है और बिजली के मीटरों को टेंपर–रेसिस्टेंट बॉक्स में डाला जा रहा है, ताकि इस इलाके में बिजली चोरी को कम किया जा सके। हालांकि, बिजली कंपनियां अपने खर्चे पर यह अभियान चला रही है। इसका खर्च उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जाएगा।

उपभोक्ताओं से वादा किया गया है कि कटे हुए केबलों को बदलने और बिजली मीटर को टेंपर– रेसिस्टेंट बॉक्स में डालने के बाद, उन्हें चौबीसों घंटे निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। लेकिन इलाके के लोग शुरूआत से ही इस अभियान का विरोध करते आ रहे हैं। पोचनपुर में बुजुर्ग लोगों के साथ इस बारे में कई बैठकें भी हो चुकी हैं, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ा है। अभी भी इस गांव में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी हो रही है।

प्रवक्ता के मुताबक– यह पहला वाकया नहीं है जब बिजली चोरी रोकने गई टीम पर हमला हुआ है। लेकिन असामाजिक तत्वों के हमलों के बावजूद, तमाम खतरे उठाते हुए बीआरपीएल बिजली चोरी को और कम करने के प्रयास में जी–जान से जुटी हुई है। बीआरपीएल चाहती है कि बिजली चोरी की वजह से उसके उपभोक्ताओं को परेशानी न झेलनी पड़े। क्योंकि बिजली चोरी एक ऐसा अपराध है, जिसका खामियाजा अंततः ईमानदार उपभोक्ताओं को ही उठाना पड़ता है।

दरअसल, इन दिनों बीआरपीएल अपने नेटवर्क को और बेहतर बनाने के काम में जुटी है। गर्मियों की तैयारियों के मद्देनजर, ट्रांसफॉर्मरों, फीडरों आदि का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। चूंकि कल इस इलाके में बिजली नेटवर्क के मेंटेनेंस का काम चल रहा था, इसलिए वहां बिजली को स्विच ऑफ कर दिया गया था। लेकिन, अभी तक बीआरपीएल वहां बिजली को स्विच ऑन नहीं कर पाई है। क्योंकि, खुद को बचाने के लिए बीआरपीएल टीम को इलाके से भागना पड़ा था। इस सिलसिले में, माननीय विधायक और पार्षद से अनुरोध किया गया था कि वे मामले में हस्तक्षेप करें और बिजली कंपनी को अपना काम करने दें। उनके हस्तक्षेप के बाद आज बीआरपीएल उस इलाके में बिजली बहाल कर पाई।